| 71    | पश्चानुपूर्व्या विज्ञेया अरेषु किल ष्युपि ॥ १३५ ॥ नामाना               | 25   |
|-------|--|------|
| 72    | म्रष्टादश निमेषाः स्युः काष्टा   | 88   |
| 73    | काष्टाह्यं ल्वामे ह गडां   | 68   |
| 74    | कला तैः पञ्चर्शभिनामिग छोग्नो  | 00   |
| 75    | म मर्लिशस्तिद्वितयेन च ॥ १३६ ॥ निम्नानिकार                             | 16   |
| 76    | त्ताहरी पश्चर्शिया होते त्यादा होते विवास विदेशिया होते ।              | 92   |
| 77    | । जिसाीः षडिभस्तु नाडिका निर्माण गरमण्डो                               | 93   |
| 78    | रतनी वसातः ग्रयामा वासतया तर्वाद्धवान्वानात्या तर्वाद्धवान्वानात्या मा | -46  |
| 79    | मुक्र्तस्तद्वयेन च ॥ १३७ ॥ भार   | 95   |
| 80    | त्रिंशता तर्वेश्त्रात्रमामामामा ।                                      | . 86 |
| 81    | स्तत्राक्रिवसा दिनम्माणिए ह विकारिक                                    |      |
| 82    | दिवं गुर्वासरा यसःगणने विद्या  | . 86 |
| 83    | गणप्रभातं स्यादकर्मुखम् ॥ १३८ ॥ गणनीम                                  | 66   |
| 84    | व्युष्टं विभातं प्रत्यूषं कल्यप्रत्युषसी उषः। क्वानिस् क्विन           | 1    |
| 85    | काल्यं ॥ ६६६ ॥ हिन्द्वितियाः विद्वा                                    | S    |
| 86    | मध्याङ्गस्तु दिवामध्यं मध्यंदिनं च सः ॥ १३६ ॥ विका                     | 3    |
| -7-18 | L. Pinstersius (Prince-Inche) Heirigh liebristien II w                 | 1    |

Jahren und eine Höhe von einem hasta, indem sie mit blossem Unglück überhäuft sind. Man wisse, dass in der Utsarpini durch alle 6 Ara's hindurch es sich ebenso mit den Menschen verhält, nur in umgekehrter Ordnung. — 72. 1 kâshthâ = 18 nimesha (Augenblinzeln). — 73. 1 lava = 2 kâshthâ. — 74. 1 kalâ = 15 lava. — 75. 1 leça = 2 kalâ. — 76. 1 kshana = 15 leça. — 77. 78. 1 nâdikâ (3 W.) = 6 kshana. — 79. 1 muhûrta = 2 nâdikâ. — 80. Tag und Nacht = 30 muhûrta. — 81. 82. Tag (7 W.). — 83—85. Tagesanbruch (9 W.). — 86. Mittag (3 W.).